पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसंपर्क विभाग उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल क्षेत्र को मात्सियिकी क्षेत्र में और अधिक विकसित करने के उद्देश्य से गोरखपुर में वर्ल्डफिश उत्तर प्रदेश फिशरीज प्रोजेक्ट ऑफिस खोलेगी सरकार

योजना के दृष्टिगत मत्स्य विभाग, उत्तर प्रदेश व वर्ल्डफिश सेंटर, मलेशिया के मध्य शुक्रवार को हुआ एमओयू

उत्तर प्रदेश में मत्स्य उत्पादन, अनुसंधान एवं तकनीकी क्षमता संवर्धन को मिलेगा नया आयाम

मत्स्य पालकों, हैचरी संचालकों, युवाओं, शोधकर्ताओं एवं विभागीय कार्मिकों को व्यावहारिक एवं तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करेगा वर्ल्डफिश सेंटर

लखनऊ : 13 नवम्बर, 2026

उत्तर प्रदेश सरकार गोरखपुर में वर्ल्डफिश उत्तर प्रदेश फिशरीज प्रोजेक्ट संचालित करने का मार्ग प्रशस्त करेगी। इस निमित्त शुक्रवार को उत्तर प्रदेश, मत्स्य विभाग तथा वर्ल्ड फिश सेंटर, मलेशिया के बीच एमओयू हुआ। समझौता ज्ञापन का आदान–प्रदान उत्तर प्रदेश सरकार की महानिदेशक मत्स्य धनलक्ष्मी के, आई ए एस व वर्ल्डफिश सेंटर, मलेशिया के महानिदेशक डॉ. ईसाम यासीन मोहम्मद ने किया। योजना के माध्यम से मत्स्य पालकों, हैचरी संचालकों, युवाओं, शोधकर्ताओं एवं विभागीय कार्मिकों को व्यावहारिक एवं तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

मत्स्य पालक होंगे समृद्ध, बढ़ेगी आय

महानिदेशक मत्स्य धनलक्ष्मी के. ने बताया कि एमओयू का उद्देश्य प्रदेश के पूर्वांचल क्षेत्र से जुड़े जनपदों में मत्स्य उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि, गुणवत्तायुक्त मत्स्य बीज की उपलब्धता, आधुनिक मत्स्य पालन तकनीकों के प्रसार तथा मत्स्य पालकों की आय में वृद्धि करना है। योजना के माध्यम से प्रदेश के पूर्वांचल क्षेत्र में आधुनिक मत्स्य बीज उत्पादन केन्द्र/ हैचरी विकसित कर उन्नत मत्स्य बीज उत्पादन, मत्स्य उत्पादन व उत्पादकता एवं खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देना साथ ही उन्नत प्रजातियों के गुणवत्तायुक्त मत्स्य बीज उत्पादन

तकनीक का विकास एवं मत्स्य विभाग के अधिकारियों एवं मत्स्य पालकों का तकनीकी प्रशिक्षण व एक्सपोज़र विजिट के माध्यम से क्षमता विकास करना है।

महानिदेशक मत्स्य ने बताया कि वर्ल्डफिश उत्तर प्रदेश फिशरीज प्रोजेक्ट द्वारा प्रदेश के पूर्वांचल क्षेत्र में पेंगेसियस एवं GIFT तिलापिया जैसी उन्नत मत्स्य प्रजातियों के हैचरी बीज उत्पादन हेतु तकनीकी सहयोग एवं हैंडहोल्डिंग प्रदान की जाएगी। इसके अंतर्गत ब्रूड स्टॉक प्रबंधन, प्रजनन, स्पॉन, फ्राई एवं फिंगरलिंग उत्पादन की समस्त प्रक्रियाओं में तकनीकी विशेषज्ञों का मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त अमृत कतला, जयन्ती रोहू एवं अमूर कॉमन कार्प सहित आनुवंशिक रूप से उन्नत मत्स्य प्रजातियों के बीज उत्पादन एवं संरक्षण के लिए स्टेट ब्रूड स्टॉक मल्टीप्लीकेशन एंड रिसर्च फैकल्टी, न्यूक्लियस ब्रूड बैंक तथा पेडीग्री जर्मप्लाज्म संरक्षण जैसी सुविधाओं के विकास में तकनीकी सहयोग दिया जाएगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, पोषण एवं खाद्य सुरक्षा को भी मिलेगा बढ़ावा

उल्लेखनीय है कि वर्ल्डफिश उत्तर प्रदेश फिशरीज प्रोजेक्ट शत–प्रतिशत राज्य से पोषित है, इसके माध्यम से उच्च उत्पादकता वाली आनुवंशिक रूप से उन्नत मत्स्य प्रजातियों के बीज उत्पादन, आधुनिक तकनीकों के हस्तांतरण, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण के माध्यम से मत्स्य क्षेत्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इन विशिष्ट प्रजातियों के मत्स्य बीज उत्पादन में प्रदेश आत्मनिर्भर बन सकेगा, साथ ही इससे प्रदेश की मत्स्य उत्पादकता एवं आय में वृद्धि के साथ–साथ ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, पोषण एवं खाद्य सुरक्षा को भी बढ़ावा मिलेगा।

एमओयू के दौरान माननीय मुख्यमंत्री जी के सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी, अपर मुख्य सचिव (मत्स्य) मुकेश कुमार मेश्राम, वर्ल्डफिश सेंटर, मलेशिया के महानिदेशक डॉ. ईसाम यासीन मोहम्मद, भारत में वर्ल्डफिश के प्रतिनिधि अरुण पड़ियार सहित मत्स्य विभाग के समस्त अधिकारी उपस्थित रहे।

सम्पर्क सूत्र– निधि वर्मा

राघवेन्द्र / 03:50 PM

फोन नम्बर Direct : 0522–2239023 ई0पी0बी0एक्स0: 0522–2239132,33,34,35 एक्सटेंशन : 223 224 225
फैक्स नं0 : 0522–2237230 0522–2239586 ई–मेल : upsoochna@gmail.com,
वेबसाइट :www.information.up.gov.in